भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3804

03/04/2025 को उत्तर देने के लिए

अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान की खोज में नवोन्मेष (इन्सपायर)

3804 श्री एस. निरंजन रेड्डीः

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान की खोज में नवोन्मेष (इन्सपायर) के अंतर्गत इसकी शुरूआत से लेकर अब तक आवंटित और उपयोग किए गए कुल बजट का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों में इन्सपायर के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले कुल छात्रों की संख्या कितनी है;

(ग) इन्सपायर संकाय अध्येतावृति की शुरूआत से लेकर अब तक कितने शोधकर्ताओं को यह छात्रवृत्ति दी गई है तथा इस योजना के अंतर्गत वित्तपोषित संकाय अध्येता के अनुसंधान परिणाम और प्रभाव का आकलन करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) इन्सपायर योजना के कार्यान्वयन में किन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है तथा सरकार उनका समाधान कैसे कर रही है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों स्तर पर प्राकृतिक विज्ञान क्षेत्रों का अध्ययन करने तथा इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान सहित मौलिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान दोनों क्षेत्रों में अनुसंधान करियर बनाने के लिए मेधावी युवाओं को आकर्षित करने, उनका वित्त पोषण करने और उन्हें रोककर रखने के लिए अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान में नवोन्मेष (इन्सपायर) योजना को क्रियान्वित कर रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के अनुसंधान और विकास आधार को बढ़ाना है। इन्सपायर योजना केंद्रीय क्षेत्र की एक योजना है और इसकी स्थापना के बाद से इन्सपायर योजना के कार्यान्वयन के लिए आवंटित और उपयोग किए गए कुल बजट का विवरण नीचे दिया गया है:

अवधि	आवंटन (करोड़ रूपये में)	व्यय (करोड़ रूपये में)
01.04.2009- 31.03.2012	581.00	546.27
01.04.2012- 31.03.2017	1332.53	1295.75
01.04.2017- 31.03.2021	2083.58	2069.96
01.04.2021- 29.03.2025	1692.61	1692.61

(ख) इन्सपायर उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (एसएचई) घटक का उद्देश्य छात्रवृत्ति और मार्गदर्शन सहायता प्रदान करके विज्ञान गहन कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिभाशाली युवाओं की रुचि बढ़ाना

है। यह योजना केंद्रीय और राज्य शिक्षा बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार 17-22 वर्ष आयु वर्ग के शीर्ष 1% प्रतिभाशाली युवाओं के लिए मौलिक और प्राकृतिक विज्ञान क्षेत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्राप्त करने हेतु 5 वर्ष की अवधि के लिए 0.80 लाख रूपये प्रति वर्ष की दर से 12,000 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। विगत तीन वर्षों में इन्सपायर योजना के तहत उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (एसएचई) प्राप्त करने वाले छात्रों की कुल संख्या नीचे दी गई है:

वर्ष	**छात्रों की संख्या**
2022-23	9485
2023-24	9126
2024-25	11741

(ग) इन्सपायर के इन्सपायर संकाय अध्येतावृत्ति घटक का उद्देश्य 27-32 वर्ष की आयु वर्ग (एससी/एसटी/महिला अभ्यर्थियों और बेंचमार्क दिव्यांगजनों के लिए ऊपरी आयु सीमा क्रमशः 37 और 42 वर्ष है) के 150 पोस्ट-डॉक्टरेट अनुसंधानकर्ताओं को प्रत्येक वर्ष इंजीनियरिंग, कृषि, पशु चिकित्सा और चिकित्सा सहित मौलिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान दोनों क्षेत्रों में 5 वर्ष के लिए अवसर प्रदान करना है। पीएचडी डिग्री वाले अभ्यर्थियों, जिनके पास प्रभावशाली शैक्षणिक और अनुसंधान ट्रैक रिकॉर्ड है, पर प्रतिस्पर्धी आधार पर विचार किया जाता है। यह 5 वर्ष की अवधि के लिए आकर्षक अध्येतावृत्ति प्रदान करता है जिसमें 1,25,000/- रूपये प्रति माह का समेकित पारिश्रमिक, 2000 रूपये प्रति वर्ष की वार्षिक वृद्धि और 7 लाख रूपये प्रति वर्ष का अनुसंधान अनुदान शामिल है। इस योजना ने युवा अनुसंधानकर्ताओं को देश के भीतर उच्च गुणवत्ता वाले पोस्ट-पीएचडी शोध को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। वर्ष 2011 में इन्सपायर के इन्सपायर संकाय अध्येतावृत्ति घटक की शुरुआत के बाद से, 1,601 युवा अनुसंधानकर्ताओं को भारत में स्वतंत्र अनुसंधान करियर बनाने के लिए इन्सपायर संकाय अध्येतावृत्ति प्रदान की गई है। कुल सहायित इन्सपायर संकाय अध्येतावृत्ति के अध्येताओं में से 926 ने देश भर के शैक्षणिक और/या अनुसंधान संस्थानों में नियमित/स्थायी पद प्राप्त किया है। इन्सपायर योजना के इन्सपायर संकाय अध्येतावृत्ति घटक में इन्सपायर संकाय अध्येताओं द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य के परिणाम और प्रभाव का आकलन करने के लिए अंतर्निहित तंत्र/उपाय मौजूद हैं। प्रत्येक वर्ष वार्षिक अध्येतावृत्ति अनुदान जारी करने से पहले वार्षिक अनुसंधान प्रगति का मूल्यांकन किया जाता है; इसके अतिरिक्त घटक की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए, कम से कम दो वर्ष पूरा कर चुके संकाय अध्येताओं का डोमेन-विशिष्ट विशेषज्ञ समिति द्वारा उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाती हैं। अब तक पाँच समीक्षा बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 2011-2020 के समूहों के 1,208 अध्येताओं का मूल्यांकन किया गया है। ये समीक्षाएँ एक प्रभावशाली अनुसंधान परिणाम को उजागर करती हैं, जिसमें प्रत्येक अध्येता समीक्षा प्रक्रिया के कार्यकाल तक औसतन छह से अधिक अनुसंधान पत्र प्रकाशित करता है, और पूरे पाँच वर्ष के कार्यकाल में समग्र उत्पादकता में वृद्धि होती है। यह अध्येतावृत्ति स्वतंत्र अनुसंधान को बढ़ावा देने, भारत के वैज्ञानिक कार्यबल को सुदृढ़ करने और विशेष रूप से केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अनुसंधान योगदान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भावी अग्रणी के रूप में विकसित करने में सहायता करती है।

(घ) इन्सपायर योजना के कार्यान्वयन में कोई चुनौती नहीं आयी थी/नहीं आ रही है। इन्सपायर योजना का कार्यान्वयन काफी हद तक सुचारू और प्रभावी रहा है क्योंकि सरकार इसकी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने और सहायता देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

*****